जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 210
दिनांक 27.12.2022

तकनीक के माध्यम से फसल उत्पादन का अनुमान लगाया जाना एक महत्वपूर्ण अनुप्रयोग –कुलपति डॉ. पीके मिश्रा

21 दिवसीय सुदूरसंवेदन एवं भौगोलिक सूचना तंत्र विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

जबलपुर 27 दिसम्बर 2022। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नाहेप) के तहत 16वीं 21 दिवसीय प्रशिक्षण'सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना तंत्र का कृषि में अनुप्रयोग' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण का कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में समापन हुआ। इस दौरान कुलपति, कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की समस्याओं की पहचान करते हुए सुदूर संवेदन तकनीकी द्वारा उनका निदान करना होगा। साथ ही तकनीक के माध्यम से फसल उत्पादन का अनुमान लगाया जाना एक महत्वपूर्ण अनुप्रयोग है, इस तकनीक से आम किसान को फायदा होगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यक्षता कर रहे डॉ.अतुल श्रीवास्तव अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय ने बताया कि यह तकनीक आने वाले भविष्य में महत्वपूण है। आर.वी.एस.के.व्ही.व्ही. और जनेकृविवि मध्य प्रदेश से आए 25 प्रशिक्षणार्थियो ंने भाग लिया। जिन्हें सतत् 21 दिवस तक सैद्धांतिक व व्यवहारिक प्रशिक्षण के साथ ही रिमोट सेंसिंग एवं जी. आई. एस. तकनीक के सॉफ्टवेयर का बेहतर उपयोग एवं कृषि के क्षेत्र व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ नेमा, डॉ. शैलेश शर्मा सह समन्वयक द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन नाहेप परियोजना के प्रमुख समन्वयक डॉ. आर. के. नेमा ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. एम. के. अवस्थी, डॉ. वाय. के. तिवारी डॉ. एम. एल. साहू एवं डॉ. सी. एम. एब्रॉल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।